

११८ दुर्गा-सामं गोविन्द
त्रिपुरसुन्दरी पूजावेदि

30612

ASHA ARCHIVES

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

ये नमः॥ हृदय॥ नृगनस॥ नमोऽङ्गो वरु वरु मरुतु उय नीवा लंदवना
ये नमः॥ नारो॥ नरुस॥ नमोऽङ्गो यो नै ल व स स्मो सर्वस्व नीवा लंद
नये नमः॥ आ न न व स॥ नमोऽङ्गो म व स र्द उ म्मो कालिनीवा लंदवना ये न
म॥ यान न नया स॥ ॥ ॐ निवसि न्यादि न्यास॥ नमो वाग्रु वाग्निचक्र काम
गिलियो लायमि रि मना धर्मिके काम स्वनी देवी उडा लम म्मकि एयाइ
की पुजया मि नमः॥ आ न न॥ क्रीं काम ना उ सु उ चक्र जाली धनया ८०
व वीसना धर्मिके काम स्वनी देवी विष्णु लम म्मकि एयाइ की पुजया

मि नमः ॥ हृदय ॥ नमः गनस ॥ सौं स कि वी ज सौ म च कु य न गि नी यो ८० ७
 ७ ॥ न ना थ लि के रु ग मालि नी दे वी व द्वा ल स कि थि या इ की पु ठ या मि
 न म ॥ रु म ॥ मि स हा स ॥ उ नी य वी ज व द्वा च कु डी घा न च र्ये ना थ लि
 क थिं गु य न स दे वी य न व द्वा ल ॥ कि थि या इ का पु ठ या मि न य या मि
 न म ॥ व द्वा न ॥ सि न स ॥ ॥ ध ना क रू थ य थ ॥ नुं डीं थिं रूं थिं डीं
 डीं डीं रूं डीं डीं ॥ थिं मी ग ला दे वी ल भ व पु नि व द्वा की सा ध या मो णु ति स्मा
 य नी ॥ गी ॥ ग ति मी ॥ रु उ णु ति डा नि भा क रू सी य डा च ॥ न उ ध रीं

काष्ठीविलिख्य॥ यातुम॥ यातुयादध्वस॥ त्रिकाधवाय॥ नृंथाउ दहकलात्म
नसामर्मंतलाय॥ यातुयादध्वस॥ त्रिकाधवाय॥ नृंथाउ दहकलात्म
यूनगुकार्णविनिष्य॥ दनृं त्रिकाधवाय॥ नृंथाउ दहकलात्म
वायवीयट॥ कगान॥ नृंथाउ दहकलात्म
उका नांकिनृिकाधवाय॥ नृंथाउ दहकलात्म
नम॥ वाम॥ वंदकायनम॥ दकि॥ नृंथाउ दहकलात्म
का॥ नृंथाउ दहकलात्म

याइकायुज्यामिनम॥ त्रिकाधम॥ नृंथाउ दहकलात्म
याय॥ यूनवि॥ नृंथाउ दहकलात्म
ययुर्ध्याय॥ नृंथाउ दहकलात्म
गुर्वायुसया॥ नृंथाउ दहकलात्म
न॥ नृंथाउ दहकलात्म
शानम॥ नृंथाउ दहकलात्म
युजना॥ नृंथाउ दहकलात्म

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ASHA ARCHIVES 3062



[illegible][illegible]

हं क विषय ॥ सु र्वा र्ध विषय ॥ मु न्न नमस्का न याय ॥ ना शि य ॥
॥ या न्म या म ॥ च म सा या व ॥ म ल्प रु च म्प्रा य रु द् ॥ ख उ द्
न्या सा या य ॥ उं की ना क य द् गौ म्प्रा सा ही न म ॥ उं ड य व सि
क र्क नी सी ॥ वि म्प्रा सा ही न म ॥ सा र्वा ॥ उं ड् म्प्रा सा व द्
क र्क ना मिका र्वा ॥ सा र्वा उं म्प्रा क णि षु का र्वा ॥ म ल्प
रु च सा हा क र्क म ल्प रु च र्वा ॥ म्प्रा सा व द् ॥ वि ष्व त्
ध र्म द् द य म्प्रा सा व द् ॥

लि विषय ॥ आ वा रु न या य रु च म्प्रा सा व द् ॥ की ना म्प्रा सा
व द् ॥ रु च नी ख य न्पि क्षी ॥ म्प्रा सा क म्प्रा सा व द् ॥ आ या
कु र्क रु म्प्रा सा व ॥ ॥ वि द न्प्रा सा या य रु च म्प्रा सा व द्
या व द् लि विषय ॥ उं रु च म्प्रा सा व द् ॥ व लि ॥ वा व द् का
य न म ॥ व लि ॥ म्प्रा सा व द् म य न म ॥ व लि ॥ यी ० यू ज्ञा ॥
यी ० म्प्रा सा व द् ॥ सिं हा म्प्रा सा व द् ॥ म हि म्प्रा सा व द् ॥ अ न्म ॥

ॐ य (मन्त्रं लीङ्गं वा या यां. जगत्पुत्रं यं कवि। यमं नो
 म्भुयः पृथ्वी उग्रचक्षुः नमो भुवनं ॥ आवाहनं ॥ ॐ रुग्णवन्निद
 (मन्त्रं) रुग्णवन्निद ॥ ॐ रुग्णवन्निद ॥ ॐ रुग्णवन्निद ॥ ॐ रुग्णवन्निद ॥
 नमस्तनानयाचकं ३ चकं. मिथ्यं. स्वानन्त्रय ॥ गिर्यो जगत् ३ ॥
 ॐ यो वा ययदं ॐ उग्रचक्षुः प्रियमद्विनिदं ॐ ययदं ॐ ययदं ॐ ययदं
 रुग्णवन्निदं ॐ रुग्णवन्निदं ॐ रुग्णवन्निदं ॐ रुग्णवन्निदं ॐ रुग्णवन्निदं

। नीकार २

वीथीमहिमन्त्रं ॥ ॐ रुग्णवन्निदं ॐ रुग्णवन्निदं ॐ रुग्णवन्निदं ॐ रुग्णवन्निदं ॐ रुग्णवन्निदं
 नमस्तनानयाचकं ३ चकं. मिथ्यं. स्वानन्त्रय ॥ गिर्यो जगत् ३ ॥
 ॐ यो वा ययदं ॐ उग्रचक्षुः प्रियमद्विनिदं ॐ ययदं ॐ ययदं ॐ ययदं
 रुग्णवन्निदं ॐ रुग्णवन्निदं ॐ रुग्णवन्निदं ॐ रुग्णवन्निदं ॐ रुग्णवन्निदं

कानवम्याचिता सम्या फदशमीय या नवलिता साचमि कु
यां दुर्मा ॥ थम रुका फा कयाय ॥ ये च मूदान्नमलक ॥ कथं न ३
॥ यो नयमा सुन ॥ गमय क्य ॥ कले (१५) वन ॥ ३ सकरुका ॥
थनावलहिडे (थयूजायाय ॥ ॥ दूगुयूजायाय ॥ नायमा ॥
कथनि एव नकाव कामा लेयूजायाय ॥ दूवया धी डाय ॥
रुकायाव मल (१५) वन याय ३ ॥ सकरुका ॥ दशमी कथनि

एव नकाव मूय माकितायूजायाय ॥ ॐ रुगावमि मूयया
किता ॐ रुगावमि १०० रुमि ११ स्वाहा ॥ ॐ मूय माकितायूजा
म ४ ॥ थम म न सुनान थम ३ क ३ क स्वाहा ॥ गिया रुमि ॥ य
ववलि ॥ धूय दीय नीवा र्थ नमसा १०० ॥ ॐ ॥ कले
(१५) वन ३ ॥ दिवस (१५) वन विय मा रु नि क क स्वाहा ॥ दूव
॥ दकि म मूययागी जया सा थ ३ की धा विय ॥ थना ना रु नि
काल नकाय सकरुका

[illegible][illegible]

रवि विवृताया य ॥ ~~कुं~~ ॥ ॐ का लि ली ह द ग्रा य
नमः श्री वा ग्म श्व ये नमः ॥ श्री लक्ष्मी ना र य ल
य नमः ॥ ॥ श्री उ मा म ह श्व रा य नमः ॥ व म
वि वि सि वा य ॥ कि प का य ख द्वा य नमः ॥ ॐ ह
श्री सिंहा न न उ ॥ ॥ य म ह य व व न य य
श्व रा य ॥ द न ख न हा य नु तो य रु टा ॥ ॐ श्री य

द ना कु र व य नमः ॥ ॐ व म वा सा य वि द्वा ह वि ॥
के म यि वि म हि न नी श्री व व यो द या ॥ ॥ श्री मं तुं व
न रु नी ॥ ॥ श्री क य य ॥ ॐ श्री श्व म क ॥ ॥ श्री
श्व म क म नी वा वि न का म ॥ ॐ व व आ नी हि न श्री श्व म
कुं दे व ता प्री ति का म ॥ ॐ श्री गै वे ॥ ॐ दे व तं म ह द्या न वि
॥ ॥ म न द व या ना म का श्री गै ल न ॥ ॐ श्री न वि न न य
नृ ल न न य ॥ व वि वि य ॥ ॐ व ॥ ॐ ॥

ASHA ALGIVES 3062